रजि. 2199-57 ❋ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ❋ जुलाई-सितम्बर, 2024

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ
संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर
वर्ष-69 अंक : 03

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.
Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com
http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

15 अगस्त, 2024 को 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय, साक्षरता निकेतन परिसर में किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) एवं सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा ध्वजारोहण किया गया। समारोह में वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी गई। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय एवं इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सभी कार्मिकों द्वारा अपने पूर्वजों की स्मृति में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, प्रभारी निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, सलाहकार, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, विशेष कार्याधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की प्रधानाचार्या एवं शिक्षकों सहित इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सभी कार्मिक उपस्थित हुए। □□□

प्रमाण-पत्र एवं टूल-किट वितरण

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड तथा उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड, लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में जन शिक्षण संस्थान (प्रायोजित कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार) द्वारा यू.पी.पी.सी.एल. एवं यू.पी. एस.आर.टी.सी. की कार्यशालाओं में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 200 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं टूल-किट का वितरण किया गया।

यह आयोजन राज्य नियोजन संस्थान सभागार, कालाकांकर भवन, न्यू हैदराबाद, लखनऊ में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि), अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड तथा जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ एवं अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब के अन्दर कोई न कोई एक हुनर अवश्य है, जिसे हम स्वयं पहचान कर एवं उसे तराश कर अपनी जीविकोपार्जन हेतु व्यवसाय में प्रयोग कर सकते हैं। प्रमाण पत्र प्राप्त कर आप यहीं न रुकें, बल्कि आगे के लेवल को भी प्राप्त करें, जिससे आपके कौशल में और निखार आ सके।

प्रबन्ध निदेशक, उ.प्र. पावर कारपोरेशन, श्री पंकज कुमार, आई.ए.एस. ने यू.पी.पी.सी.एल. के लाभार्थियों का आवाह्न किया कि कौशल के साथ तकनीकी ज्ञान की आज के वातावरण में नितान्त आवश्यकता है। विद्युत के कार्यों को करते समय पर्याप्त सावधानी बरतना एवं सुरक्षा का ध्यान रखना नितान्त आवश्यक है। यू.पी.पी.सी.एल. में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत युवाओं को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की इकाई जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के माध्यम से कौशल विकास के प्रशिक्षण प्रदान किया जाना सराहनीय है।

अपर प्रबन्ध निदेशक, उ.प्र. राज्य सड़क परिवहन निगम श्री राम सिंह वर्मा, आई.ए.एस. द्वारा कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए सफल लाभार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी।

निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं अध्यक्ष महोदय का स्वागत करते हुए संस्था का परिचय दिया गया तथा कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। सुश्री तिवारी ने उपस्थित लाभार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रमाण-पत्र को प्राप्त करने के उपरान्त आप अवश्य ही अपने जीवन को और समृद्ध बना सकेंगे।

सलाहकार, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड श्री प्रवीन टण्डन ने उपस्थिति अतिथियों एवं लाभार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि वर्ष 2024-25 में भी इस प्रकार के कार्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य सडक परिवहन निगम तथा उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किए जाने पर परस्पर सहमति बन चुकी है। कार्यक्रम का संचालन श्री राम चन्द्र यादव द्वारा किया।

इस अवसर पर यू.पी.पी.सी.एल. एवं यू.पी.एस. आर.टी.सी. के 100-100 लाभार्थियों सहित उत्तर प्रदेश

राज्य सड़क परिवहन निगम के श्री आर. के. त्रिपाठी, क्षेत्रीय प्रबन्धक, लखनऊ क्षेत्र, श्री अरविन्द कुमार, सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक, लखनऊ क्षेत्र, श्री विनोद कुमार, सेवा प्रबन्धक, लखनऊ क्षेत्र तथा उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के उच्च अधिकारी तथा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के विशेष कार्याधिकारी अनूप कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी सुधाकर मान सिंह तथा जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के श्री अवधेश कुमार, प्रभारी निदेशक, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, श्री शुभम मिश्रा सहित अनुदेशक ई. भीमसेन, श्री नरेश कुमार, श्री नियाजुद्दीन एवं श्री मोहम्मद मेराज अहमद सहित संस्थान के समस्त कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे। □□□

डॉ. वेल्दी हॉनसिंगर फिशर का 145वाँ जयन्ती समारोह

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर के 145वें जयन्ती समारोह का आयोजन लखनऊ के कानपुर रोड स्थित साक्षरता निकेतन में दिनांक 18 सितम्बर, 2024 को किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन संस्थान के प्रार्थना भवन में किया गया, जिसमें सभी धर्मों के लोग सम्मिलित हुए। डॉ. वेल्दी फिशर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ प्रार्थना सभा प्रारम्भ हुई और सभी धर्मों के भजन-प्रवचन का कार्यक्रम हुआ।

प्रार्थना सभा के उपरान्त साक्षरता निकेतन में स्थित कबीर थियेटर में डॉ. वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम सरस्वती वन्दना के उपरान्त वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की कक्षा-10 की छात्रा सुश्री अनुष्का सेन के द्वारा डॉ. वेल्दी फिशर के जीवन एवं उनके द्वारा साक्षरता के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मा. अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) के द्वारा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के नर्सरी से कक्षा-9 तक के कुल 36 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मा. अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) के द्वारा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की उत्कृष्ट दो अध्यापिकाओं- सुश्री शम्पा बोस एवं सुश्री पूनम शुक्ला को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिन्ह एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मा. अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) के द्वारा अपने उद्‌बोधन में छात्र-छात्राओं का आवाह्न किया गया कि वे डॉ. वेल्दी फिशर के जीवन, सिद्धान्त एवं आदर्शों से प्रेरणा लें। अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद एवं अन्य ज्ञानवर्धक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करें। उन्होंने कहा कि उनका यह सपना है कि अकादमी के छात्र-छात्राएँ ऐसा काम करें, जिससे अकादमी का नाम रोशन हो और आज से 20-25 साल बाद कोई मेधावी छात्र-छात्रा डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार प्राप्त करने का हकदार बने।

कार्यक्रम के अन्त में श्री प्रवीन टण्डन, सलाहकार, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री आर.सी. यादव के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की गरिमामयी उपस्थिति के अतिरिक्त श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, विशेष कार्याधिकारी, श्री सुधाकर मान सिंह, प्रशासनिक अधिकारी, सुश्री शालिनी सक्सेना, प्रधानाचार्या, वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के साथ ही साक्षरता निकेतन परिसर में कार्यरत समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित हुए।

□□□

"डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024" के विजेताओं के नामों की उद्‌घोषणा

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर के 145वें जयन्ती समारोह के अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मा. अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि) के द्वारा "डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार-2024" के विजेताओं की घोषणा की गई।

उनके द्वारा बताया गया कि इस वर्ष यह पुरस्कार तीन संस्थाओं- साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए जिला जेल, फतेहपुर को रुपया पचास हजार, स्मृति चिन्ह, स्क्रॉल एवं अंगवस्त्र तथा कृषि के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग हेतु गंगा महिला स्वयं सहायता समूह, मुजफ्फरनगर एवं अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह, बरेली को रुपया पच्चीस-पच्चीस हजार, स्मृति चिन्ह, स्क्रॉल एवं अंगवस्त्र प्रदान किया जायेगा।

□□□

केन्द्रीय पुस्तकालय, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड

पुस्तकें हमारे जीवन की सबसे अच्छी साथी होती हैं। हमें पुस्तकों से ही अपने आसपास की दुनिया को समझने में मदद मिलती है। सच में पुस्तकें हमारे मार्गदर्शक शिक्षक के रूप में सदैव हमारे जीवन में हमारे साथ रहती हैं। पुस्तकें हमें सीखने और ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती हैं। साक्षरता निकेतन की संस्थापिका श्रीमती वेल्दी हॉनसिंगर फिशर ने इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए संस्थान की स्थापना किया और इसके कैम्पस में एक समृद्ध पुस्तकालय भी बनवाया। इस पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की हजारों उपयोगी पुस्तक हैं। पुस्तकालय के कर्मचारीगण इन पुस्तकों के रख-रखाव में पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं।

केन्द्रीय पुस्तकालय, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन लखनऊ के अन्तर्गत संचालित केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा माह जुलाई-सितम्बर, 2024 तक किए गए कार्यों का विवरण इस प्रकार है -

माह जुलाई, 2024 से सितम्बर 2024 तक 7000 पुस्तकों को लाइबरी साफ्टवेयर पर अपलोड किया गया। इस प्रकार कुल 42,948 पुस्तकों की प्रविष्ट लाइबेरी सॉफ्टवेयर पर की जा चुकी है।

इसी क्रम में 7,690 पुस्तकों का क्लासिफिकेशन भी किया गया और क्लासिफिकेशन की गई समस्त पुस्तकों पर एसेशन नम्बर भी डाला गया है। केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा लगभग 25 फटी पुस्तकों की बाइंडिंग करवा कर उन्हें पाठकों के पढ़ने के उपयुक्त बनाया गया।

इस अवधि में 06 सदस्यों द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय में सदस्यता प्राप्त की गई। आख्यागत माह में आने वाले पाठकों की संख्या औसतन 5,000 रही। केन्द्रीय पुस्तकालय में आने वाले पाठकों को पुस्तक उनके क्रम में प्राप्त हो सके इसलिए इन्ट्री की गई समस्त पुस्तकों को क्लासिफिकेशन के अनुक्रम में रैक में प्रतिस्थापित किया गया।

□□□

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-69, अंक : 03
जुलाई-सितम्बर, 2024

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

कानून के शासन का सम्मान किया जाना चाहिए, ताकि हमारे लोकतंत्र का मूल ढाँचा कायम रहे और उसे मजबूत किया जा सके।

- लाल बहादुर शास्त्री

इफ्को के सहयोग से बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया एवं नैनो डी.ए.पी. का प्रदर्शन

दिनांक 04.09.2024 को इफ्को के सहयोग से कृषि प्रक्षेत्र, बिजनौर में 9 एकड़ क्षेत्रफल धान की फसल एवं कृषि प्रक्षेत्र, नीवां में 6 एकड़ क्षेत्रफल गन्ना एवं 1 एकड़ क्षेत्रफल धान की फसल पर ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया एवं नैनो डी.ए.पी. के छिड़काव का सफल प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर प्रक्षेत्र के कार्मिकों सहित स्थानीय कृषक भी उपस्थित रहे।

□□□

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री एन.के.एस. चौहान, आई.ए.एस. (से.नि.)	कोषाध्यक्ष
4.	न्यायमूर्ति राजमणि चौहान (से.नि.)	सदस्य
5.	पद्म भूषण एवं पद्मश्री श्री चण्डी प्रसाद भट्ट	सदस्य
6.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	डॉ. उर्वशी साहनी, शिक्षाविद	सदस्य
9.	श्री विष्णु प्रताप सिंह, पूर्व निदेशक (कृषि), उ.प्र.	सदस्य
10.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
11.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
13.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
14.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
15.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
16.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
17.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
18.	श्री राजेन्द्र सिंह रावत, लेखाकार-कम-कैशियर	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	श्री दया शंकर, मेस सहायक	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
20.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की गतिविधियाँ

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की वार्षिक कार्ययोजना 2024-25 में जिला-बहराइच, प्रयागराज, उन्नाव व लखनऊ नगर निगम के वार्ड में 62 साक्षरता केन्द्रों का संचालन कर छः माह की अवधि में 1240 असाक्षरों को साक्षर किया जाना प्रस्तावित किया गया है। उक्त जिलों में साक्षरता कार्यक्रम के संचालन हेतु सर्वप्रथम कार्यक्षेत्रों का भ्रमण कर स्थानीय जन प्रतिनिधियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों व ग्राम प्रधानों के सहयोग से प्रेरकों के चयन हेतु आवेदन पत्र प्राप्त किए गए और विभिन्न तिथियों में साक्षात्कार के माध्यम से चयन समिति द्वारा प्रेरकों का चयन किया गया। तदुपरान्त जिला प्रयागराज, ब्लॉक-माण्डा के चयनित ग्राम पंचायत-धनावल के 12 प्रेरकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 31.07.2024 को, लखनऊ नगर निगम के लाल बहादुर शास्त्री प्रथम वार्ड एवं 37 गोमती नगर वार्ड, जुगौली के दो प्रेरकों का प्रशिक्षण दिनांक 22.08.2024 को, जिला-बहराइच, ब्लॉक-जरवल के न्याय पंचायत- निम्दीपुर के 30 प्रेरकों का प्रशिक्षण दिनांक 31.08.2024 को, जिला-उन्नाव, ब्लाक-नवाबगंज के न्याय पंचायत- अजगैन के 18 प्रेरकों का प्रशिक्षण दिनांक 05.09.2024 को स्थानीय स्तर पर सम्पन्न करके असाक्षर लाभार्थियों के सापेक्ष पठन-पाठन सामग्री वितरित करा कर अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस (दि. 08.09.2024) के अवसर पर उक्त जिलों के कुल 62 साक्षरता केन्द्रों का संचालन प्रारम्भ कराया गया।

सम्बन्धित जिलों बहराइच, प्रयागराज, व उन्नाव में उक्त साक्षरता केन्द्रों के सुचारू संचालन के लिए न्याय पंचायत स्तर पर छः माह की अवधि हेतु एक-एक समन्वयक का चयन भी राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. द्वारा किया गया। ये सभी समन्वयक अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में संचालित साक्षरता केंन्द्रों का नियमित पर्यवेक्षण व अनुश्रवण का कार्य सम्पन्न कर रहे हैं। उक्त साक्षरता केन्द्रों की ऑन-लाइन मानीटरिंग भी राज्य संसाधन केन्द्र द्वारा यथा-समय की जा रही है।

साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशालय, उ.प्र. तथा राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. एवं इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में 8 सितम्बर, 2024 को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के साक्षरता निकेतन परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. जे.वी. वैश्म्पायन, पूर्व कुलपति बुन्देलखण्ड एवं कानपुर विश्वविद्यालय, राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र., इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के माननीय अध्यक्ष, श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.), राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र., इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक, सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), श्री भगवती सिंह, साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा, उ.प्र., श्री योगेश कुमार, एच.सी.एल. फाउन्डेशन तथा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की सभी इकाइयों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. द्वारा विगत वर्ष 2023-24 में जिला-बहराइच, ब्लॉक-जरवल के निम्दीपुर न्याय पंचायत में आयोजित साक्षरता कार्यक्रम में साक्षर किए गए 617 लाभार्थियों की एन.आई.ओ.एस. साक्षरता परीक्षा दिनांक 22.09.2024 को स्थानीय प्राथमिक विद्यालयों में सम्पन्न कराई गई। इस परीक्षा में सभी साक्षर किए गए 617 लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। □□□

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

विश्व युवा कौशल दिवस : कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन विभिन्न कौशल केन्द्रों में किया गया। एक ओर मोहनलालगंज केन्द्र में मुख्य अतिथि श्री अजय पाण्डे 'सत्यम' ने मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभागी महिलाओं एवं कौशल प्रशिक्षण प्राप्त सफल लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये।

उन्होंने कहा कि जन शिक्षण संस्थान लखनऊ द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लाभार्थियों को पोस्ट स्किल ट्रेनिंग के साथ-साथ सफल उद्यमी बनने हेतु सभी प्रयास किये जाएँगे तथा लाभार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु जननायक सुजीत पाण्डे मेमोरियल ट्रस्ट भी इनके रोजगार एवं स्वरोजगार में निरन्तर सहयोग प्रदान करेगा। निदेशक सौरभ कुमार खरे ने बताया कि इस वर्ष की थीम 'शांति एवं विकास के लिए युवा कौशल' है। जन शिक्षण संस्थान द्वारा कुल 16 कोर्स संचालित किये जा रहे हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य स्वावलम्बन को बढ़ावा देना है। लाभार्थियों को ऋण सम्बन्धी ब्रोसर भी वितरित किये गये। मेंहदी प्रतियोगिता में सुश्री सादिया, सोनम एवं सायमा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं दूसरी ओर साक्षरता निकेतन परिसर में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर 'सिद्ध पोर्टल जागरुकता कार्यशाला आयोजित की गयी। इसमें कार्यक्रम अधिकारी अवधेश साहू एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा ने सिद्ध पोर्टल पर पंजीकरण से लेकर नौकरियों तक की जानकारी प्रशिक्षणार्थियों से साझा की।

शिक्षक दिवस : दिनांक 05 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर साक्षरता निकेतन परिसर व प्रशिक्षण केन्द्र पाण्डेय काम्प्लेक्स मोहनलालगंज में शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि नवजीवन इण्टर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य आर. सी त्रिपाठी जी का सुंदरम पाण्डेय (प्रबंधक जननायक सुजीत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट) ने स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक ही हैं जो हमें अच्छे नागरिक बनाने में मदद करते हैं,और समाज के लिए उपयोगी बनाते हैं। वहीं दूसरी साक्षरता निकेतन परिसर में प्रशिक्षकों का प्रशस्ति पत्र देकर

सम्मानित किया गया। संस्थान के प्रभारी निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार ने प्रशिक्षकों द्वारा किये गये कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि गतवर्षों की भाँति इस वर्ष भी प्रशिक्षकों को कौशल विकास के क्षेत्र में योगदान देने हेतु प्रशस्ति पत्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक एवं सैकड़ों प्रशिक्षणार्थी उपस्थिति हुए।

□□□

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की भारत सरकार से वित्तीय वर्ष 2024-25 की स्वीकृत कार्य योजना में 90 बैचों में 1,800 प्रशिक्षणार्थी स्वीकृत किये गये, जिसके सापेक्ष 40 बैचों का संचालन कर 800 प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न स्वीकृत व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मेंहदी स्टाल का आयोजन : दिनांक 17 अगस्त, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर एवं यू.पी.एफ.सी. भवन में रक्षाबंधन के अवसर पर संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मेंहदी का स्टाल लगाया गया, जिसमें क्षेत्रीय महिलाओं ने भी प्रतिभाग किया। उक्त कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने आय भी अर्जित की।

असिस्टेंट बारबर-सैलून सर्विसेज का प्रशिक्षण : दिनांक 27 अगस्त, 2024 को कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर में यह प्रशिक्षण दिनांक 27 अगस्त, 2024 को दिया गया। इसी क्रम द्वितीय बैच को प्रशिक्षण दिनांक 11 सितम्बर, 2024 से दिया गया। कार्यक्रम के प्रथम बैच में श्री धर्मेन्द्र जी एल.डी.एम. बैंक ऑफ बड़ौदा ने लाभार्थियों को विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी, जबकि द्वितीय बैच के लाभार्थियों को श्री दीपांकर जी वरिष्ठ प्रबन्धक उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम ने सम्बोधित किया।

टूल-किट एवं प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम : इस कार्यक्रम में दिनांक 27 अगस्त, 2024 को मुख्य अतिथि श्री सैमुअल पॉल एन. प्रबन्ध निदेशक, केस्को, कानपुर द्वारा केस्को सिविल लाइन्स मुख्यालय के नवीन सभागार में टूलकिट एवं प्रमाण-पत्र वितरण हेल्पर एवं इलेक्ट्रीशियन के सफल प्रतिभागियों को किया गया।

स्वच्छता संवाद : दिनांक 14 सितम्बर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों से अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने की अपील की गयी।

विश्वकर्मा जयन्ती का आयोजन : दिनांक 17 सितम्बर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थिति कार्यालय परिसर में विश्वकर्मा जयन्ती पर भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यापर्ण किया गया।

स्वच्छता क्विज एवं स्वच्छता शपथ : दिनांक 18 सितम्बर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के बक्तौरी पुरवा, नौबस्ता एवं कछार, बिठूर स्थित प्रशिक्षण केन्द्रों में स्वच्छता कार्यक्रम एवं स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया।

टूल-किट एवं प्रमाण-पत्र वितरण : दिनांक 18 सितम्बर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा यू.पी.एस.आर.टी.सी की क्षेत्रीय कार्यशाला फजलगंज, कानपुर में संचालित असिस्टेंट वेल्डर एण्ड फैब्रीकेटर प्रशिक्षण एवं हेल्पर इलेक्ट्रिकल टेक्नीशियन के 40 लाभार्थियों को प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त प्रमाण-पत्र एवं पैतृक संस्था- इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ से प्राप्त टूल-किट का वितरण मुख्य अतिथि श्री गोकरन सिंह, सेवा प्रबन्धक, यू.पी.एस.आर.टी.सी, कानपुर द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि श्री गोकरन सिंह ने कहा कि जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा जो प्रशिक्षण संचालित किये जा रहे हैं, वह बहुत ही उपयोगी हैं और जिसमें प्राप्त टूल-किट से लाभार्थी अपना स्वयं का काम शुरु कर अपना जीविकोपार्जन कर सकते हैं।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने बताया कि संस्थापिका श्रीमती वेल्दी फिशर के जन्मदिन के अवसर पर संस्थान पिछले कई वर्षों से असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें प्रमाणित करता रहा है।

प्रधानमंत्री के लाइव प्रसारण का आयोजन : पीएम विश्वकर्मा योजना के एक वर्ष पूर्ण होने पर दिनांक 20 सितम्बर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन का लाइव प्रसारण आयोजित किया गया ।

सफल लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरण : कार्यक्रम में पीएम विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत पाँच सफल प्रतिभागियों को एक लाख रुपये का स्वीकृत पत्र एवं साथ ही 33 अन्य विश्वकर्माओं को कानपुर में उ.प्र. के उप मुख्यमंत्री माननीय श्री ब्रजेश पाठक जी द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

□□□

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

हरेला पर्व के अवसर पर पौधारोपण : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित स्वच्छता जन जागरूकता के तहत हरेला पर्व के अवसर पर दिनांक 16.07.2024 के दिन पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम कोरुवा, विकास खण्ड कालसी के पंचायत भवन प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर स्थानीय प्रधान प्रतिनिधि श्री सुरेन्द्र सिंह तोमर, जन शिक्षण संस्थान, देहरादून के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह, संदर्भदाता, श्री वीरेन्द्र सिंह तथा प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी व क्षेत्रीय लोगों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के आरम्भ में संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह ने संस्थान द्वारा चलाए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी उपस्थित जनों को जानकारी दी।

हरेला पर्व के अवसर पर स्थानीय प्रधान प्रतिनिधि श्री सुरेन्द्र सिंह तोमर जी ने कहा कि हमें अपने स्वयं की स्वच्छता, घर की स्वच्छता, गाँव की स्वच्छता व पर्यावरण के प्रति भी अधिक संवेदनशील एवं जागरुक होने की आवश्यकता है। इसके पश्चात सामाजिक कार्यकर्ता श्री कल्याण सिंह जी ने कहा कि आज खेती की उपजाऊ जमीन आवासीय भवनों में स्थानान्तरित हो रही है, साथ ही जंगल विकास की भेंट चढ़ रहे हैं। हमारा कर्तव्य बनता है कि हम संकल्प लें कि एक पेड़ काटने की जगह कम से कम पाँच पेड़ लगाएँ और अपने कार्यस्थल अथवा अपने घर, गाँव को साफ रखें तथा दूसरों को भी प्रेरित करें। सभी का धन्यवाद ज्ञापित कर आयोजन का समापन किया गया।

स्वच्छता अभियान : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के अन्तर्गत दिनांक 18 सितम्बर के दिन आयोजन, ढालीपुर कस्बा, विकास खण्ड . विकासनगर, देहरादून में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि स्थानीय ग्राम प्रधान श्रीमती रेखा जी, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, संस्थान के कार्यकर्ता, संदर्भदाता श्रीमती बालारानी, कुमारी पार्वती जी व ढालीपुर ग्राम सभा के अन्तर्गत चल रहे प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाएँ तथा बच्चे उपस्थित हुए।

'स्वच्छता ही सेवा अभियान' कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय प्रधान श्रीमती रेखा देवी जी द्वारा की गई। उन्होंने 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के आयोजन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी को स्वच्छता का सदैव

ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने जन शिक्षण संस्थान के माध्यम से चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत पौधारोपण के सम्बन्ध में विशेष रुचि दिखाई। जन शिक्षण संस्थान द्वारा उनके क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र से काफी जरूरतमन्द महिलाएँ एवं युवा जन शिक्षण संस्थान के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने ने बताया कि आज के बदलते मौसम में लोग डेंगू, टाइफाइड, चिकनगुनिया, डाइरिया, वाइरल बुखार, जुखाम, खांसी आदि रोगों से ग्रसित हो रहे हैं। यदि हम स्वच्छता का अपने जीवन में पालन करते हैं, तो इन सभी बीमारियों से अपने आपको काफी हद तक बचा सकते हैं। हमें वातावरण की स्वच्छता पर गम्भीरता से सोचने की आवश्यकता है।

अन्त में सभी के द्वारा स्वच्छता विशेष अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता शपथ' ली गई। अन्त में धन्यवाद ज्ञापित कर आयोजन का समापन किया गया।

ऋण मेले का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों के लिए दिनांक 12.08.2024 के दिन विकासखण्ड सभागार, के छबरा रोड में ऋण मेले का आयोजन किया गया। इसमें कुल 35 महिलाओं ने प्रतिभाग किया और ऋण हेतु पंजीकरण कराया।

लोन मेला कार्यक्रम में जिला उद्योग केन्द्र देहरादून के सहायक प्रबन्धक श्री रमेश प्रसाद कन्सवाल ने कहा कि इच्छुक प्रशिक्षणार्थी ऑनलाइन www.msy.uk.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के अन्तर्गत रुपये 25 लाख तक की धनराशि विनिर्माण उद्यम तथा रुपये 10.00 लाख तक की धनराशि व्यवसाय एवं सेवा के लिए ऋण के रूप में योग्य प्रतिभागियों को दी जाती है।

अनुमन्य व्यवसाय : इस योजना के अन्तर्गत निम्न व्यवसायिक गतिविधियाँ अनुमन्य हैं- पारम्परिक कृषि को छोड़कर अन्य सभी व्यावसायिक गतिविधियाँ यथा- गौ पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन जनरल स्टोर, हार्डवेयर स्टोर आदि।

आवश्यक दस्तावेज: उपरोक्त योजना के लिए निम्न दस्तावेज आवश्यक हैं- स्थायी निवास/मूल निवास प्रमाण. पत्र आधार कार्ड, फोटो, जाति प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, शपथ पत्र आदि। लोन मेला कार्यक्रम में कुल 35 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। उपरोक्त में से 35 प्रतिभागियों द्वारा लोन के लिए पंजीकरण कराया गया। □□□

छोटा निवेश : सुरक्षित भविष्य (प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना)

आज की दौड़-भाग भरी जिन्दगी में बीमा हर व्यक्ति के लिए अति आवश्यक है। अपने देश में कई प्रकार की बीमा योजनाएँ संचालित है। व्यक्ति अपनी सुविधा के अनुसार कोई भी बीमा योजना ले सकता है।

किसी भी बीमा का लाभ प्राप्त करने के लिए विभिन्न कारकों जैसे कि व्यक्ति की आयु, लिंग, व्यवसाय, आमदनी, स्वास्थ्य की स्थिति और प्रीमियम भुगतान की क्षमता आदि को ध्यान में रखना होता है। उदाहरण के लिए यदि बीमा लेने वाले व्यक्ति की आयु अधिक है तो उसे आयु के अनुरूप अधिक प्रीमियम राशि का भुगतान करना होता है, जबकि युवा लोगों को कम प्रीमियम राशि का भुगतान करना होता है। प्रीमियम राशि का यह भुगतान मासिक, छमाही अथवा वार्षिक आधार पर निर्धारित किया जाता है।

कम प्रीमियम : उचित लाभ- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना अत्यन्त कम धनराशि की प्रीमियम पर सामान्य जन को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे देश में अनेक बीमा कम्पनियाँ है, परन्तु इन सभी कम्पनियों की प्रीमियम राशि अधिक व उच्च दरों पर होती है। अतः गरीब व्यक्ति के लिए अधिक दर पर प्रीमियम का भुगतान कर पाना सम्भव नहीं होता। यह भुगतान गरीब और अत्यन्त अल्प आय वाले व्यक्ति के लिए तो कतई सम्भव नहीं है। जबकि आज की व्यस्ततम जिन्दगी में हर व्यक्ति अपने तथा अपने

परिवार के सुरक्षित भविष्य के लिए कोई ना कोई बीमा योजना लेना चाहता है।

इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने गरीब और अति अल्प आय वाले व्यक्तियों की क्षमता के अनुरूप प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की शुरूआत किया है। इस योजना की शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 8 मई, 2015 को किया। योजना के अन्तर्गत बीमित व्यक्ति के साथ कोई दुर्घटना होने की दशा में योजना के माध्यम से ही उसे आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना का लाभ 18 से 70 आयु वर्ग के सभी महिला पुरुष प्राप्त कर सकते हैं। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए शर्त यह है कि सम्बन्धित व्यक्ति का किसी बैंक अथवा डाकघर में बचत खाता अनिवार्य रूप से होना चाहिए। इस योजना के अन्तर्गत प्रीमियम राशि अत्यन्त कम अर्थात मात्र ₹20 वार्षिक निर्धारित है। यह राशि कोई भी गरीब व्यक्ति वार्षिक आधार पर सुगमता से जमा कर सकता है। बैंक अथवा डाकघर में खाता होने से प्रीमियम राशि सम्बन्धित व्यक्ति के खाते से उसकी सहमति से ऑटो डेबिट की जाती है। यह पॉलिसी 1 जून से प्रारम्भ होकर 31 मई तक अर्थात एक वर्ष की अवधि के लिए होती है। इसे अगले वर्ष के लिए पुनः नवीनीकृत किया जा सकता है।

देश के करोड़ों गरीब परिवारों के सदस्यों के पास कोई दुर्घटना बीमा कवर नहीं है। अतः सरकार ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के माध्यम से जन सामान्य के जीवन में आने वाली दुर्घटना को कवर करने का प्रयास किया है। योजना प्राप्त करने के लिए किसी भी बैंक अथवा डाकघर से निर्धारित आवेदन पत्र प्राप्त कर कोई भी व्यक्ति इस योजना में शामिल हो सकता है। योजना के अन्तर्गत बीमित व्यक्ति की आकस्मिक मृत्यु और स्थाई पूर्ण विकलांगता पर ₹2,00,000.00 (दो लाख) तथा स्थाई आंशिक विकलांगता पर ₹1,00,000.00 (एक लाख) की बीमित राशि प्रदान की जाती है।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की मुख्य बातें इस में प्रकार हैं-

- यह गरीबों के लिए अत्यन्त कम प्रीमियम की बीमा योजना है।
- योजना का उद्देश्य सभी परिवारों को बीमा योजना से कवर करना है।
- योजना के लाभ हेतु सम्बन्धित व्यक्ति को अपने बैंक अथवा डाकघर में जाकर अपने बचत खाते से ऑटो डेबिट सुविधा प्रारम्भ करानी होती है। ऑटो डेबिट सुविधा के बाद ही इस योजना का लाभ मिलता है।
- इस योजना के अन्तर्गत बीमित व्यक्ति की दुर्घटना होने पर उसके परिवार को योजना के अनुसार लाभ प्रदान किया जाता है।
- सड़क हादसा या किसी अन्य दुर्घटना में मृत्यु होने पर पॉलिसी धारक के नॉमिनी को योजना के अन्तर्गत ₹2,00,000.00 दिए जाते हैं।
- बीमित व्यक्ति के स्थाई अपंग होने की दशा में उसे ₹1,00,000.00 की धनराशि दी जाती है।
- यह योजना एक वर्ष की अवधि के लिए प्रारम्भ की गई है, जिसे प्रतिवर्ष नवीनीकृत किया जाता है।
- यदि किसी कारणवश प्रीमियम का भुगतान नहीं हो पाता है तो भविष्य में प्रीमियम का भुगतान करके फिर से योजना का लाभ शुरू किया जा सकता है।
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लिए आवेदन पत्र किसी भी बैंक की शाखा से लिया जा सकता है।
- ऑनलाइन आवेदन के लिए आवेदक को आधिकारिक वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड करना होता है।
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की प्रीमियम राशि पहले ₹12 वार्षिक थी, जिसे बढ़ाकर अब ₹20 वार्षिक कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना हेतु वांछित दस्तावेजः आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस अथवा अन्य कोई पहचान पत्र।

आय प्रमाण पत्र, बैंक खाते का विवरण, आयु प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज की फोटो और मोबाइल नम्बर आदि की आवश्यकता होती है। □□□

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।
सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव